एलाइंस एअर
ALLIANCE AIR
Connecting India

''आवाहन''(उन्मुक्त उड़ान का)

जून, 2025
राजभाषा विभाग

योग दिवस का आयोजन

स्वर्ण जयंती समारोह

हिंदी कार्यशाला

मुख्य कार्यपालक अधिकारी की कलम से

"हिंदी द्वारा ही भारतीय संस्कृति की रक्षा हो सकती है।"
– पुरूषोतम दास टंडन

प्रिय साथियों,

आप सबके समक्ष ई–राजभाषा पत्रिका आवाहन को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आप सभी के सहयोग से आवाहन पत्रिका दिन–प्रतिदिन आकर्षक कलेवर के साथ प्रकाशित हो रही है। राजभाषा विभाग द्वारा ई–राजभाषा पत्रिका आवाहन का निरंतर प्रकाशन किया जाना एक महत्त्वपूर्ण कार्य है। किसी भी कार्यालय की पत्रिका उस कार्यालय की आईना होती है। उसमें न केवल उस कार्यालय में हो रही नवीनतम गतिविधियों का पता चलता है बल्कि महत्वपूर्ण विषयों में उत्कृष्ट सामग्री पढ़ने को भी मिलती है।

भारत सरकार, राजभाषा विभाग की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को कार्यान्वित करने में एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग निरन्तर प्रयासरत है। भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा राजभाषा विभाग की स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण 50 वर्ष (1975–2025) पूरे होने के अवसर पर दिनांक 26 जून, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में राजभाषा स्वर्ण जंयती समारोह का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस तरह के आयोजन हमें राजभाषा हिंदी के प्रति भाषायी प्रेम, संवैधानिक दायित्व और कर्तव्यों का भी स्मरण कराते हैं।

विमानन क्षेत्र में हमेशा नई चुनौतियां आती रहती हैं हमें चुनौतियों का सामना अपनी जिम्मेदारी के साथ करना है और कम्पनी को और अधिक ऊंचाईयों पर ले जाना है।

मुझे विश्वास है कि पूर्व के अंकों की तरह आवाहन का यह अंक भी आपको ज्ञानवर्धक और रोचक लगेगा।

शुभकामनाओं सहित।   जय हिंद! जय भारत!

(राजर्षि सेन)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी की कलम से

"हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है।"
– माखनलाल चतुर्वेदी

नमस्कार,

राजभाषा विभाग की 26 जून, 2025 को स्थापना दिवस की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आप सबको हार्दिक बधाई। सरकार की राजभाषा नीति के अन्तर्गत जारी नियमों और अधिनियमों का अनुपालन करना हम सबका संवैधानिक दायित्व है। हिंदी राजभाषा है राजभाषा का उपयोग हमें अपने दैनिक कामकाज में अनिवार्य रुप से करना चाहिए। हिंदी सरल भाषा है और इसका प्रयोग कार्यालयों में सभी जगह पर होता है। विश्व में अनेक प्रकार की भाषाएं बोली और लिखी जाती हैं लेकिन इन सभी भाषाओं को जोड़ने की कड़ी का काम हिंदी ही करती है। आज तकनीकी और सूचना के क्षेत्र में भी हिंदी का प्रयोग अधिक होने लगा है। एलाइंस एअर में हमारा वरिष्ठ प्रबंधन राजभाषा कार्यान्वयन के प्रचार–प्रसार हेतु अग्रसर है।

आप सभी के सहयोग से आवाहन पत्रिका दिन–प्रतिदिन ज्ञानवर्धक और आकर्षक होती जा रही है। आप सभी को आवाहन पत्रिका के माध्यम से कम्पनी में हो रही सभी प्रकार की गतिविधियों से अवगत कराया जाता है और साथ ही प्रत्येक कर्मचारी को अपनी हिंदी लेखन प्रतिभा को निखारने का भी पूरा अवसर मिलता है।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि एलाइंस एअर एक विमानन कम्पनी है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में हमें और अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। आशा है आप सभी का सहयोग बना रहेगा।

शुभकामनाओं सहित। जय हिंद! जय भारत!

(विमल किशोर त्रिपाठी)
कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी

वार्षिक कार्यक्रम 2025–26

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025–26 के वार्षिक कार्यक्रम के तहत केन्द्र सरकार के अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों हेतु निर्धारित लक्ष्य

क्र सं.	कार्य विवरण	क–क्षेत्र	ख–क्षेत्र	ग–क्षेत्र
1	हिंदी में मूल पत्राचार (ई–मेल सहित)	100%	90%	60%
2	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3	हिंदी में टिप्पण	80%	55%	35%
4	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	75%	65%	35%
5	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	45%
6	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	70%	60%	35%
7	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई–पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय	50%	50%	50%
10	कम्प्यूटर सहित सभी प्रकार के इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद	100%	100%	100%
11	वेबसाइट	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)
12	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)	100% (द्विभाषी)
13	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत) (ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	30% (न्यूनतम) (30% न्यूनतम)	30% (न्यूनतम) (30% न्यूनतम)	30% (न्यूनतम) (30% न्यूनतम)
14	राजभाषा संबंधी बैठकें राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)		
15	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%		

राजभाषा संबंधी निरीक्षण – जून, 2025

प्रचालन विभाग

- प्रचालन विभाग में इस समय 01 प्रचालन प्रमुख, 01 सहा. महाप्रबंधक, 01 वरि. प्रबंधक, 01 प्रबंधक, 01 सहा. प्रबंधक, 01 उप प्रबंधक, 02 अधिकारी, 02 सहा. अधिकारी, 04 वरि. पर्यवेक्षक, 02 इंजीनियर, 01 अनुदेशक सहित 17 अधिकारी/कर्मचारी कार्यरत हैं। सभी को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।
- विभाग द्वारा तिमाही प्रगति रिपोर्ट राजभाषा विभाग में समय पर उपलब्ध करवाई जाती है। इस तिमाही (मार्च, 2025) में विभाग का हिंदी पत्राचार 80.37% है, जो कि सराहनीय है।
- विभाग में 17 कम्प्यूटर हैं और सभी कम्प्यूटरों में हिंदी यूनिकोड में काम करने की सुविधा उपलब्ध है।
- विभाग का उपस्थिति रजिस्टर द्विभाषी बना हुआ है जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी में हस्ताक्षर किए जाते हैं, जो कि सराहनीय हैं।
- प्रेषण रजिस्टर (Despatch Register) में हिंदी के पत्रों की हिंदी में और अंग्रेजी के पत्रों की अंग्रेजी में प्रविष्टियां की जाती हैं।
- एमएमडी विभाग को मांग पत्र एवं कॉर्टेज सबंधी पत्र हिंदी में भेजा जाता है।
- विभाग में उपलब्ध सभी फाईलों के शीर्षक द्विभाषी पाए गए जो कि सराहनीय है।
- विभाग द्वारा उपयोग में लाए जा रहे रजिस्टरों के शीर्ष द्विभाषी पाए गए जिनमें टिप्पणियों एवं प्रविष्टियां प्राप्त पत्रों के अनुसार की जा रही हैं।
- विभाग में सभी रबड़ की मोहरें, नेम प्लेट आदि द्विभाषी हैं जिनके छाप निरीक्षण के दौरान राजभाषा विभाग को उपलब्ध कराए गए।
- प्रचालन विभाग द्वारा नियमित इस्तेमाल होने वाले मानक मसौदों को उपयोग में लाया जा रहा है।
- विभाग द्वारा अतिरिक्त लैंडिंग के बिल द्विभाषी बनाए जा रहे हैं।
- स्टेशनों को भेजे जाने वाले अधिकांश पत्र द्विभाषी बनाए जाते हैं।
- क्रू भत्ता, रात्रि भत्ता, पायलट/केबिन क्रू के उड़ान घंटे, प्रशिक्षक प्रशिक्षण घंटे, मील भत्ता, विसंगति रिपोर्ट भुगतान और सेफ्टी एंड ओबीएस के भुगतान संबंधी बिल हिंदी में भेजे जा रहे हैं।
- प्रचालन विभाग द्वारा हिंदी पत्राचार को और अधिक बढ़ाने का हर संभव प्रयास किए जाने का आश्वासन दिया गया।

*****

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 9 जून, 2025 को एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी जानने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 10 अधिकारियों/कर्मचारियों जिनमें सर्वश्री नवीन भाटी, लेखा परीक्षक गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, श्री विभाकर शर्मा, सहायक प्रबंधक, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, श्री केशव गांधी, उप प्रबंधक, ओसीसी, सुश्री कविता सहारण, स्टेशन प्रबंधक, ओसीसी, श्री मुकेश, वरि. पर्यवेक्षक, क्रू अलाउंस, सुश्री सपना त्यागी, सहायक अधिकारी, प्रचालन, सुश्री सपना दास, वरि. पर्यवेक्षक, आईएफएस, श्री पवन, सहायक प्रबंधक, प्रचालन, श्री विरेन्द्र गोयल, लोड एवं ट्रिम अनुदेशक, प्रचालन सुश्री सोनी शर्मा, वरि. पर्यवेक्षक, चिकित्सा ने भाग लिया।

कार्यशाला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्लाइड के माध्यम से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2025–26 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की जानकारी दी गई तथा राजभाषाा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अन्तर्गत आने वाले कागजातों को द्विभाषी भेजना व राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 के अन्तर्गत हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना तथा कार्यालयीन कार्य में रोजमर्रा उपयोग में आने वाले सरल और सहज हिंदी शब्दों का प्रयोग करने के बारे में बताया गया। हिंदी कार्यशाला में अधिकारियों को अद्यतन हिंदी की तिमाही प्रगति रिपोर्ट के आंकड़े भरने एवं दैनिक कार्यों में हिंदी की छोटी–छोटी टिप्पणियां, नोटिंग ड्राफटिंग, रजिस्टरों, फाइलों आदि के नाम द्विभाषी लिखे जाने को बताया गया तथा साथ ही यह भी बताया गया कि द्विभाषी में पहला क्रम हिंदी का होगा उसके बाद अंग्रेजी लिखी जाएगी।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी यूनिकोड की उपयोगिता व हिंदी टंकण का अभ्यास कराया गया जिससे कि सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को हिंदी टंकण में सुविधा हो इसके साथ–साथ हिंदी में नोटिंग ड्राफ्टिंग को बढ़ावा दिए जाने पर बल दिया गया और कार्यशाला में विभागों के नाम, पदनाम हिंदी में लिखने का अभ्यास कराया गया। जिससे हिंदी पत्राचार के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त किया जा सके। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य, कार्यालय में राजभाषा दायित्वों के प्रति अपनी जिम्मेदारियां को निभाने में सहायता मिलेगी।

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग–निरीक्षण रिपोर्ट

दिनांक 19 मई, 2025 को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन) द्वारा एलाइंस एअर मुख्यालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण एलाइंस एअर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, राजर्षि सेन, कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी श्री विमल किशोर त्रिपाठी और राजभाषा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं कार्मिक प्रधान व राजभाषा अधिकारी ने संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन) का स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन) श्री कुमार पाल शर्मा ने एलाइंस एअर में हो रहे हिंदी कार्यों की सराहना की तथा राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक कार्यान्वित करने और हिंदी पत्राचार के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। जिनको एलाइंस एअर द्वारा पूरा किए जाने का आश्वासन दिया गया। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा किया गया निरीक्षण सफल और सार्थक रहा।

हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

महर्षि दयानन्द सरस्वती

हौसलों की उड़ान

जीवन की चुनौतियों से लड़ने और सफलता के शिखर तक पहुंचने के लिए हमें प्रेरणा की जरूरत होती है। प्रेरणादायक कहानियां न केवल हमें मोटिवेशन देती हैं, बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण सबक भी सिखाती हैं। ये कहानियां हमें यह एहसास दिलाती हैं कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

मुम्बई के एक पार्क में एक लड़का उदास बैठा कुछ सोच रहा था वह किसी बात को लेकर उदास था वह कुछ सोचता और फिर रोने लगता था। तभी एक बुजुर्ग उसके पास में बैठा और उससे उसके रोने का कारण पूछने लगा। लड़के ने बताया कि वह बहुत परेशान है उसने एक व्यवसाय शुरू किया था जिसमें उसे 10 लाख रुपए का नुकसान हो गया है उसके ऊपर 10 लाख रुपए का कर्ज है और उसका घर भी गिरवी पड़ा है तथा उसकी बूढ़ी मां बीमार है। ऐसा लगता है कि सारी दुनिया की परेशानी भगवान ने मुझे ही दे दी है। समझ में नहीं आता है कि अब मैं क्या करूं।

बुजुर्ग ने उसकी बातें बड़ी ध्यान से सुनी। फिर उसने अपने बैग से एक चैक निकाला और बोला, चलो मैं तुम्हारी परेशानी दूर कर देता हूं। मेरा नाम जमशेदजी टाटा है और मैं भारत में सबसे धनवान व्यक्तियों में से एक हूं। यह लो, मैं तुम्हें 10 लाख रुपए का चैक दे रहा हूं तुम इससे अपनी परेशानी दूर कर लो और फिर पैसे कमाकर एक साल में मुझे वापिस कर दो। मैं ठीक एक साल बाद तुम्हें इसी जगह पर मिलूगां और अपने पैसे वापिस ले लूंगा। इतना कह कर वह बुजुर्ग वहां से चला गया। लड़का यह सब देखकर हैरान रह गया और सोचने लगा कि कोई अन्जान व्यक्ति कैसे इतनी बड़ी रकम किसी को दे सकता है। वह कोई सपना तो नहीं देख रहा है। फिर वह सोचने लगा कि एक अन्जान व्यक्ति मुझ पर भरोसा कर सकता है मुझे 10 लाख रुपए का चैक दे सकता है फिर मैं खुद पर भरोसा क्यों नहीं कर सकता। मैं ऐसे हार नहीं मान सकता। लड़के ने निश्चय किया कि पहले वह चैक इस्तेमाल नहीं करेगा। पहले वह अपना पूरा प्रयास पूरी ईमानदारी से करेगा अगर वह अपने प्रयास में सफल नहीं हुआ तभी वह चैक का इस्तेमाल करेगा। अब उसने वह चैक संभाल कर अलमारी में रख दिया और पूरी तन्मयता से अपने काम में लग गया। अब उसके सिर पर एक ही जुनून सवार था कि एक साल के अन्दर ही अपने कर्ज को चुकाना है और खुद को अच्छी स्थिति में भी लाना है। उसकी मेहनत रंग लाई और एक साल के अन्दर ही उसने अपना कर्ज भी उतार दिया और अपनी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर लिया। ठीक एक वर्ष बाद वह उसी चैक को लेकर उसी पार्क में पहुंचा जहां उसे वह बुजुर्ग मिला था। वह बुजुर्ग का इन्तजार करता रहा। तभी बुजुर्ग पार्क में आते हुए दिखाई दिए लड़के ने बड़े आदर व सम्मान के साथ उनका अभिवादन किया और चैक बढ़ा कर कुछ कहना ही चाहा कि तभी एक नर्स आई और बुजुर्ग को पकड़कर ले जाने लगी। लड़के ने नर्स से पूछा कि क्या हुआ तभी नर्स ने बताया कि यह एक पागल व्यक्ति है। खुद को जमशेदजी टाटा बताता रहता है और बार–बार पागलखाने से भाग जाता है। यह सुनते ही लड़का अवाक रह गया कि जिस चैक ने उसके सोए हुए आत्मविश्वास को जगा दिया और जिसकी बदौलत उसने अपना करियर बना लिया और अपना सारा कर्ज चुका दिया वह चैक फर्जी था।

(कमला मेहरा)
उप प्रबंधक, राजभाषा

दिल्ली से बनारस एवं अयोध्या का मनमोहक सफर

बच्चों के ग्रीष्मकालीन अवकाश होते ही माता–पिता को लगने लगता है कि बच्चों की छुट्टियों को मजेदार और सीखने लायक कैसे बनाया जाए। मैं भी कुछ ऐसी ही उलझन में थी। तभी मुझे लगा कि क्यों ना बच्चों को किसी धार्मिक स्थल पर लेकर जाया जाए। फिर क्या था मैंने अपने बढ़ो (मेरी दो माताओ) और दोनों बच्चों के साथ बनारस और अयोध्या जाने की योजना बनाई। बड़े और बच्चे सभी बहुत उत्साहित थे एक नई जगह जाने के लिए और भगवान से जुड़ने के लिए। मैं काफी उत्साहित थी अपनी इस यात्रा के लिए क्योंकि मैं अपने बड़ो को तीर्थ स्थान पर ले जा रही थी और बच्चों को अपने संस्कारों के प्रति थोड़ा और जागरूक करा रही थी।

हम सभी शनिवार की शाम को ट्रेन से बनारस के लिए निकल गए। अगली सुबह 6 बजे हमारी ट्रेन बनारस जंक्शन पर पहुंचीं। वहां से हम रिक्शे से अपने होटल की ओर चल दिये। बनारस के बारे में सुना था कि बहुत पुराना शहर और तंग गलियां हैं। इन गलियों को देखते ही मेरे बच्चे तो कहने लगे कि मम्मी क्या हम पुराने जमाने में आ गए हैं? मैं उनकी बातें सुनकर हंस दी और कहने लगी ये बनारस है गलियों का शहर। बनारस के बारे में जैसा सुना था वैसा ही पाया। पुराना और जीवंत शहर। हमारे लिए बनारस का अनोखा एहसास था।

होटल पहुंच कर हमने थोड़ा आराम किया और फिर गंगा घाट पर स्नान करने पहुंच गए। मेरे बच्चों के लिए नदी में स्नान करने का यह पहला अनुभव था। बच्चों ने इन सबका आनंद लिया, माताओं ने गंगा मैया का नाम लिया और भगवान को याद कर स्नान किया। स्नान के बाद बच्चों को गंगा स्नान का महत्व समझ में आया। स्नान के बाद हमने मान्यता के अनुरूप भैरों मंदिर के दर्शन किए, फिर विश्वनाथ मंदिर के दर्शन के लिए चल दिए। मेरे बच्चे जोर–जोर से हर–हर महादेव के नारे लगाते हुए दर्शन करने पहुंचे। वहां सभी भक्त हर–हर महादेव के नारे लगा रहे थे सारा माहौल खुशनुमा और आन्नदित था। सभी अपनी–अपनी पंक्ति में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए मंदिर में प्रवेश कर रहे थे। ऐसा नजारा मेरे बच्चों ने पहले कभी नहीं देखा था। यह उनके लिए इस तरह का पहला अनुभव था जिसे उन्होंने बड़ा एन्जॉय किया और जीवन में भगवान के महत्व को समझा।

दर्शन के बाद हमने बनारस की मशहूर कचौड़ी, जलेबी खाई और फिर होटल में वापस आ गए। कुछ देर आराम करने के बाद हम शाम के समय गंगा घाट पर गंगा आरती देखने पहुंच गए। मैंने अपने बच्चों को गंगा आरती के बारे में बताया। हम नाव से गंगा आरती के दर्शन के लिए गए। नाव से गंगा आरती का नजारा अद्भुत और अलौकिक था, एक अलग ही तरह का एहसास था भगवान के साथ जुड़ने का। रात के भोजन के बाद हम सोने के लिए होटल आ गए।

अगली सुबह जल्दी उठकर हम सभी ने संकट मोचन हनुमान जी के दर्शन किए, कुछ नाश्ता किया और कैब से अयोध्या के लिए रवाना हो गए। 6 घंटे के सफर के बाद हम लोग श्रीराम की नगरी अयोध्या पहुंच गए। कुछ देर होटल में आराम करने के बाद हम लोगों ने सरयू नदी में स्नान किया। सरयू में स्नान करने के बाद गंगा आरती में लीन हो गए। नजारा बहुत ही आकर्षक और मनमोहक था। वहां से हम सीधा होटल पहुंचें। डिनर किया और सो गए।

अगले दिन हम सभी सुबह जल्दी तैयार होकर राम मंदिर पहुंचें और राम जी के दर्शन किए। राम लला के दर्शन मात्र से ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे स्वयं श्रीराम जी साक्षात हमारे सामने खड़े हैं। इतने सुंदर और मनमोहक दर्शन पा कर हम सभी धन्य थे। हम सभी ने हनुमान गढ़ी जाकर हनुमान जी के दर्शन किए, फिर दशरथ महल के दर्शन किए। अब हम सभी बहुत थक चुके थे और भूख भी लगी थी। फिर कुछ नाश्ते के बाद बच्चों के साथ सरयू नदी में बोटिंग के लिए पहुंचे। माताएं थक चुकी इसलिए उन्हें होटल में आराम कराना बेहतर समझा।

हम सभी जिस उद्देश्य से आए थे वो पूरा हो चुका था। हम सभी बहुत खुश हैं. बच्चों की ख्वाहिश वंदे भारत ट्रेन में बैठने की थी जो दिल्ली वापस आने में पूरी हो गई। इस तरह हमारी यात्रा पूरी हुई और बुजुर्गो का तीर्थ धाम। इस धार्मिक यात्रा से बच्चों के मन में ईश्वर के प्रति आस्था अधिक प्रबल हुई जिससे हम सब बहुत खुश हैं।

हर हर महादेव. जय श्री राम.

(अंजू सेट्टी)
सहायक प्रबंधक (विपणन)

एलाइंस एअर में योग दिवस

योग भारतीय संस्कृति और निरोग रहने का एक पारंपरिक तरीका है। आज सारी दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रही है, इस बार योग दिवस की थीम है– **योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ** अर्थात् धरती और स्वास्थ्य के लिए योग। इस वर्ष 21 जून को योग दिवस की थीम से यह प्रतीत होता है कि हमारी सेहत और धरती की सेहत एक दूसरे से जुड़ी है। योग जिसके नाम का अर्थ है जुड़ना या एकजुट होना। चाहे मनुष्य का प्रकृति से हो या फिर विश्वात्मा से स्वंय का। योग एक ऐसा शारीरिक व्यायाम है जिससे आपका मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं।

एलाइंस एअर में पहले की भांति इस वर्ष भी 21 जून, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें कार्मिक प्रधान श्री विमल किशोर त्रिपाठी और मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री अमित मिश्रा ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया और सभी विभागों से सम्मिलित प्रतिनिधियों ने योग करके आनन्द प्राप्त किया और योग दिवस मनाया। इस अवसर पर योगा प्रशिक्षक श्री हेमन्त को बुलाया गया जिन्होंने एलाइंस एअर परिसर में मौजूद सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग करवाया जिससे सभी ने अपने आपको ऊर्जावान महसूस किया और योग को अपने जीवन में नियमित रूप से करने का प्रण लिया। जिससे की आपका तन और मन दोनों स्वस्थ रहें।

योग एक प्राचीन भारतीय कसरत है जो ऋषि–मुनियों के समय से मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखने के लिए किया जाता है। इसकी महत्वता को आज पूरा विश्व मान रहा है तभी हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। हमारे पुराने ग्रंथों, वेद–पुराण, उपनिषद, श्रीमद्भगवदगीता में भी इनका उल्लेख मिलता है। योग दिवस न केवल भारतीय सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है, बल्कि यह दिन विश्व के लिए भी बेहद खास है और "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना को चरितार्थ करता है और योग के माध्यम से मानवता को एक सूत्र में बांधा जा सकता है।

योग करने के बहुत से लाभ हैं। योग को नियमित करने से आपके तन और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। जिससे आपके शरीर और मन का आपसी तालमेल बना रहता है। प्राणायाम करने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। योग करने से सहनशीलता बढ़ती है, मानसिक तनाव दूर होता है। शरीर निरोगी और बलवान होता है। आपके मस्तिष्क का विकास होता है। हर व्यक्ति को अपने शारीरिक और मानसिक विकास के लिए योग को अपने जीवन में अपनाना चाहिए क्योंकि स्वस्थ व्यक्ति ही समाज का निर्माण कर सकता है।

जैसा कि सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के थीम के बारे में विदित ही है–**योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ** इस थीम में ही हमारा भविष्य छिपा हुआ है। अगर हमें और हमारी आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रहना है तो हमें अपनी धरती को स्वस्थ रखना पड़ेगा क्योंकि जीने के लिए हमारे पास केवल एक ही धरती है और एक ही जीवन। अगर हमारी धरती प्रदूषण मुक्त रहेगी तभी हमारे बच्चे स्वस्थ रह पाएंगे। स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त परिवार, खुशहाल समाज का निर्माण कर सकता है। योग दिवस के अवसर पर हमें योग को अपने जीवन शैली में नियमित रूप से अपनाने का प्रण लेना चाहिए।

(रचना पुण्डीर)
उप प्रबंधक, राजभाषा

रोचक तथ्य

➢	विश्व में सबसे कठोर कानून वाला देश	सउदी अरब
➢	विश्व का ऐसा कौन सा देश है जो आज तक किसी का गुलाम नहीं हुआ	नेपाल
➢	विश्व में सबसे अधिक वेतन किसको मिलता है?	अमेरिका के राष्ट्रपति को
➢	विश्व के किस देश में सफेद हाथी पाए जाते हैं?	थाईलैंड
➢	विश्व की सबसे बड़ी नदी कौन सी है?	नील नदी (6648 कि.मी.)
➢	विश्व की सबसे मंहगी वस्तु कौन सी है?	यूरेनियम
➢	विश्व की सबसे प्राचीन भाषा कौन सी है?	संस्कृत
➢	विश्व का ऐसा कौन सा देश है जिसने कभी किसी युद्ध में भाग नहीं लिया?	स्विट्जरलैंड
➢	शाखाओं की संख्या की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा बैंक कौन सा है?	भारतीय स्टेट बैंक
➢	विश्व का कौन सा ऐसा देश है जिसके एक भाग में शाम और एक भाग में दिन होता है?	रूस
➢	विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप कौन सा है	एशिया
➢	विश्व की लम्बी नहर कौन सी है?	स्वेज नहर (168 कि.मी. मिस्र में)
➢	ऐसे देश का नाम बताए जहां पीले कपड़े पर बैन लगा है?	मलेशिया
➢	ब्रेड खाने से होने वाली बीमारी	शुगर
➢	ज्यादा नमक से होने वाली बीमारी	हार्ट अटैक
➢	क्या आप जानते हैं कि भारत के सात नाम कौन से है?	भारत, भारतवर्ष, जम्बूदवीप, आर्यावर्त, हिन्द, हिन्दुस्तान और इंडिया

क्या आप?

- स्वयं हिंदी में कार्य करते हैं और दूसरों को भी प्रेरित करते हैं?
- विभाग का अधिकाधिक मूल पत्राचार हिंदी में किए जाने का प्रयास करते हैं?
- प्रत्येक बुधवार को अपना अधिक से अधिक कार्यालय कार्य हिंदी में किए जाने का प्रयास करते है?
- अपने नाम पट्ट, विजिटिंग कार्ड, नोटिस बोर्ड पर सूचना हिंदी में भी तैयार करते हैं?
- फाइलों/रजिस्टरों पर छोटी–छोटी टिप्पणियां हिंदी में लिखने का प्रयास करते हैं? धारा 3 (3) का पूर्णतः अनुपालन करते है?
- हिंदी पत्राचार को और अधिक बढ़ाने के लिए मानक मसौदों का प्रयोग करते हैं?
- राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशालाओं/हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं?
- हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में देते हैं?
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में नियमित रुप से भाग लेते हैं?
- कम्प्यूटर पर हिंदी प्रशिक्षण लेना चाहते हैं?
- राजभाषा विभाग को तिमाही प्रगति रिपोर्ट समय पर भेजते है?
- किसी अंग्रेजी शब्द का पर्याय न मालूम होने पर राजभाषा विभाग की सहायता लेते हैं?
- राजभाषा निरीक्षण के दौरान निरीक्षण अधिकारियों को पूरा सहयोग प्रदान करते हैं?
- आवाहन पत्रिका के लिए अपनी रचनाएं भेजते हैं?

यदि हां तो आप हैं राजभाषा की प्रगति के समर्थक

*****

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग
'स्वर्ण जयंती समारोह'(1975–2025)

"हमें प्रयत्नपूर्वक हिंदुस्तान की सभी बोलियों व भाषाओं में जो उत्तम चीजें हैं, उन्हें हिंदी भाषा की समृद्धि के लिए उसका हिस्सा बनाना चाहिए और यह प्रक्रिया अविरल चलती रहनी चाहिए।"

– नरेन्द्र मोदी (प्रधान मंत्री)

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह ने 26 जून, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में राजभाषा विभाग के **'स्वर्ण जयंती समारोह'** में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री बंडी संजय कुमार, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब, राज्यसभा सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी और राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्या सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

'स्वर्ण जयंती समारोह' के इस पावन अवसर पर दिनांक 26 जून, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी तथा एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग, मुख्यालय के अधिकारियों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने कहा कि भारत की आजादी की शताब्दी के समय देश के स्वाभिमान के पुनर्जागरण के सभी प्रयासों में 1975 से 2025 तक की राजभाषा विभाग की 50 साल की इस यात्रा को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजभाषा विभाग की स्थापना का उद्देश्य था कि देश का शासन नागरिकों की भाषा में चले। श्री शाह ने कहा कि कोई भी देश अपनी भाषा के बिना अपनी संस्कृति, साहित्य, इतिहास और सामाजिक संस्कार को चिरंजीव नहीं रख सकता। अपनी संस्कृति के आधार पर आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए देश का शासन उसकी अपनी भाषाओं में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघर्ष, साधना और संकल्प के आधार पर इस 50 साल की यात्रा को हम सबने मिलकर पूरा किया है।

वर्तमान में तकनीक, शिक्षा और शासन के क्षेत्र में भारतीय भाषाओं को अभूतपूर्व बढ़ावा मिल रहा है। भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा होती है। देश के आत्मसम्मान को जागृत करने के लिए भारतीय भाषाओं का उपयोग बहुत जरूरी है।

राजभाषा हिंदी और सभी भारतीय भाषाएं मिलकर ही हमारे आत्मगौरव के उत्थान के कार्यक्रम को अंतिम लक्ष्य तक ले जा सकती हैं। कोई भी राज्य अपनी मातृभाषा की उपेक्षा कर कभी महान नहीं बन सकता इसलिए सरकार भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने के लिए संकल्पित है। श्री अमित शाह ने कहा कि राजभाषा विभाग ने तय किया है आने वाले दिनों में हम भारतीय भाषा अनुभाग के माध्यम से भारतीय भाषाओं को किशोरों और युवाओं की भाषा बनाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में आज रखी जा रही नींव 2047 में एक विकसित और महान भारत की रचना करेगी। इसके अंतर्गत भारतीय भाषाओं को उन्नत और समृद्ध बनाने के साथ ही इनकी उपयोगिता भी बढ़ाई जाएगी।

भारत के संविधान के भाग XVII में राजभाषा के संबंध में स्पष्ट प्रावधान हैं। अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। हालांकि संविधान ने यह भी प्रावधान किया कि अंग्रेजी का उपयोग आधिकारिक कार्यों के लिए 15 वर्षों तक (1965 तक) जारी रहेगा और उसके बाद संसद द्वारा निर्णय लिया जाएगा। हिंदीत्तर भाषी क्षेत्रों में अंग्रेजी को पूरी तरह से हटाने के विचार ने कुछ चिंताएं पैदा की, जिसके परिणामस्वरूप 1963 का राजभाषा अधिनियम पारित हुआ। इस अधिनियम ने हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी के उपयोग को भी अनुमति दी। 1975 में राजभाषा विभाग की स्थापना का मुख्य उद्‌देश्य हिंदी को सरकारी कामकाज में प्रोत्साहित करना और इसे भारत की समग्र संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाना था। संविधान के अनुच्छेद 351 ने संघ को हिंदी के प्रचार और विकास का दायित्व सौंपा ताकि यह भारत की समन्वित संस्कृति का प्रतिनिधित्व कर सके और अन्य भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय बनाकर समृद्ध हो। राजभाषा विभाग के प्रमुख उद्‌देश्य निम्नलिखित हैं :–

1. **हिंदी का प्रचार–प्रसार** – सरकारी कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देना।
2. **भाषाई समन्वयन** – हिंदी को अन्य भारतीय भाषाओं के साथ जोड़कर एक समन्वित भाषाई ढांचा विकसित करना।
3. **प्रशिक्षण और प्रोत्साहन** – सरकारी कर्मचारियों को हिंदी में प्रशिक्षण प्रदान करना और हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं लागू करना।
4. **तकनीकी विकास** – हिंदी को तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रों में उपयोगी बनाने के लिए शब्दावली और सॉफ्टवेयर विकसित करना।

इस स्वर्ण जयंती समारोह में गृह मंत्री के अलावा हिंदी के दिग्गजों ने भी अपना वक्तव्य दिया और हिंदी को सभी भारतीय भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ भाषा माना। आप सभी को राजभाषा विभाग स्वर्ण जयंती की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

(विनोद चन्द्र सनवाल)
प्रबंधक, राजभाषा

****

जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं
वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

कृपया अपनी प्रतिक्रिया से अवश्य अवगत कराएं।

प्रस्तुतिकरण : विनोद चन्द्र सनवाल
कमला मेहरा
रचना पुण्डीर

राजभाषा विभाग, एलाइंस एअर, मुख्यालय

सम्पर्क : 011–25674178
ई मेल : rajbhasha@allianceair.in